ANSWER KEY

II ..... YEAR HIGHER SECONDARY EXAMINATION ..MARCH.... 2025

PART-I/II/III

SUBJECT: ..Hindi.....Optional.....

CODE NO: SY/415 VERSION:..R...

..80.. SCORES 2½... HOURS

Qn. No	Sub Qns	Answer Key/Value Points	Score	Total Score
1.		फ्रान्सीसी	1	1
2.		कविता	1	1
3.		स्वयं लेखक	1	1
4.		स्मिता	1	1
5.		सुलोचना रंगेय राघव	1	1
6.		सरोज - स्मृति	1	1
7.		अपनी बेटी सरोजा	1	1
8.		कवि का परिचय दिया है।	2	
		कविता का आशय लिखा है।	2	6
		अपना दृष्टिकोण लिखा है।	2	
		(हिन्दी के निराले कवि श्री ~~सूर्या~~ सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराले' का शोकगीत है 'सरोज-स्मृति'। निरालाजी ने अपनी प्रियपुत्री सरोजा की असामयिक मृत्यु पर अपनी हृदयभेदक व्यथा		

Qn. No	Sub Qns	Answer Key/Value Points	Score	Total Score
		कविता के रूप में लिखी है। प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहते हैं कि उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि पूरी बारात बुलाकर अपनी कन्या का विवाह कर दें। वे दहेज देकर शादी कराके मूर्ख बनना भी नहीं चाहते हैं। इसलिए कवि स्वयं पुरोहित बनकर मंत्र पढ़कर बेटी की शादी कराते हैं। इसकेलिए कवि सभी सामाजिक परंपराओं और नियमों का अतिक्रमण करने केलिए तैयार हो जाते हैं। अंतमें कवि यह विश्वास भी दिलाते हैं कि वे कहते हैं कि उनकी कन्या (वर के) मेरे वंश को गौरवान्वित करनेवाली है। उसकी खुशी केलिए जो कुछ भी मेरे पास है, वह सब सहर्ष दे सकता हूँ। प्रस्तुत पंक्तियों में एक गौरवशाली पिता अपनी बेटी की महिमा का महत्व भी बताते हैं। (सामाजिक परंपराओं को तोड़नेवाले पिता का दृश्य)		

Qn. No	Sub Qns	Answer Key/Value Points	Score	Total Score
9		आशय ग्रहण करके सही उत्तर लिखा है) (यात्रावृत्त' शब्द का अर्थ है 'यात्रा के वृत्तांत'। इसमें बीते हुए यथार्थ का वर्णन होता है। लेखक भूगोल और इतिहास - लेखन की शैली का आश्रय न लेकर कथा - साहित्य की सरल, सहज, सरस भाषा शैली को अपनाता है।, रोचकता, यात्रा - वृत्तांत का अनिवार्य गुण है। संवेदनशीलता इसे साहित्यिक कृति का रूप देती है।)	2	2
10		आशय ग्रहण करके सही उत्तर लिखा है। (सभी देशों में जानना को महत्वपूर्ण तथा साधारण से साधारण कार्य केलिए एक सामान्य भाषा की आवश्यकता पडती है।) (Students Version - नौकरी केलिए अन्य देशों में जाते वक्त, फिल्म हिन्दी फिल्म देखने केलिए, हिन्दी कहानी पढने केलिए, हिन्दी पर आकृष्ट होकर, ~~xxx~~ नौकरी	2	2

Qn. No	Sub Qns	Answer Key/Value Points	Score	Total Score
		केलिए अन्य देश जाने वक्त आदि ...)		
11.		आशय समझकर सही उत्तर लिखे है। (नगरी सभ्यता में बाहरी आडंबर, कृत्रिमता आदि है लेकिन ग्रामीण सभ्यता में सादगी और अकृत्रिमता से भरे है) (हमारा देश पहले गाव का भौलापन और वहाँ की अकृत्रिमता से भरा था। लेकिन पाश्चात्य संस्कृति के आगमन से हमारे गाँव धीरे धीरे आँखों से ओझल होने लगे और शहर उभरकर आने लगे। तब से मानव में स्वार्थता, धोखा आदि बढने लगे। भाई भाई पर आक्रमण करने लगा। सब अपने - अपने स्वार्थ की पूर्ती केलिए प्रतियोगिता में भाग लेने लगे।) (आज के नशा का उपयोग। उनकी प्रतिक्रिया आदि लिखने पर भी अंक देना है) (Students Version पर ध्यान देना)	2	2

Qn. No	Sub Qns	Answer Key/Value Points	Score	Total Score
12		आशय समझकर सही उत्तर लिखा है। (रात में कवि मृत्यु का शव देखकर बैठता है लेकिन उसको अपनी छोटी लड़की एक संतरा लेकर अपनी ओर बढ़ाती है।) (कविता की पंक्तियाँ लिखने पर भी अंक देना है।)	2	2
13		केलिए	1	1
14		आशय ग्रहण किया है। सही उत्तर लिखा है। (खंड में सही उत्तर है।)	1 1	2
15		आशय ग्रहण किया है। खंड का संक्षेपण किया है। उचित शीर्षक लिखा है। (II language में जिसप्रकार संक्षेपण करता है उसी गतिविधि इसमें है। उसी के अनुसार अंक देना है।)	2 2 2	6
16.		आशय ग्रहण किया है। चरित्र की विशेषताओं के आधार पर टिप्पणी लिखी है।	2 2	4

Qn. No	Sub Qns	Answer Key/Value Points	Score	Total Score
		(भलेमानस, सादगी, ईमानदार, दूसरों की सहायता करनेवाला आदि)		
17.		आशय ग्रहण किया है।	2	
		सच्चिदानंदन के बारे में अनुच्छेद तैयार किया है।	2	4
18		आशय ग्रहण किया है।	2	
		कहानी साहित्य की विशेषताएँ लिखी हैं।	2	4
		(कहानी मनोरंजन का साधन है। इस में जीवन के किसी अंक या मनोभाव का चित्रण होता है। अच्छी कहानियाँ कालजयी रहती हैं। हिन्दी कहानी का भंडार ऐसी कहानी रत्नों से भरा हुआ है।)		
		(कहानी ऐसी रचना है जिसमें जीवन के किसी अंग या किसी एक मनोभाव को प्रदर्शित करना ही लेखक का उद्देश्य है)		
19.		आशय ग्रहण किया है।	2	
		सही उत्तर लिखा है।	2	4

Qn. No	Sub Qns	Answer Key/Value Points	Score	Total Score
२०		(नुक्कड़ नाटक राजनीतिक विचारधारा से प्रेरित प्रचार या सुधार-वादी दृष्टि से ये नाटक लिखे जाते है। यह पाँच मिनट से लेकर तीस-पैंतीस मिनट तक चलता है। यह किसी भी उद्देश्य को साफ-साफ सामने लाता है।)		
		अनुभवों की सूचना है।	1	
		अनुभवों को क्रमबद्ध किया है।	2	
		संवेदना की अभिव्यक्ति है।	2	6
		आत्मनिष्ठ भाषा है।	1	
		(डायरी की शैली में सूचकों को बढ़ाकर लिखने पर भी अंक देना है। (तिथि ~~नहीं~~ नहीं है तो अंक नहीं देना है)		
२१		प्रसंगानुसार है।	1	
		विषयवस्तु का सही चयन है।	2	
		पोस्टर की शैली एवं आकर्षक रूपरेखा है।	2	6
		अनुकूल भाषा का प्रयोग किया है।	1	
		(पोस्टर II language जैसा है)		

Qn. No	Sub Qns	Answer Key/Value Points	Score	Total Score
२२.		विषय वस्तु का सही चयन किया है।	1	
		वार्तालाप की शैली अपनाई है।	2	6
		प्रवाहमयता है।	2	
		कल्पना है।	1	
		(लेखक और मार्क के बीच का वार्तालाप, छह exchange होने पर पूरा अंक देना है। (सूचकों पर ध्यान देना)		
२३.		सेड का आशय ग्रहण किया है।	2	
		लक्ष्य भाषा में अनुवाद किया है।	2	6
		लक्ष्य भाषा की शैली अपनाई है। (व्याकरण पर ध्यान मत देना)	2	
२४		सही शुरुआत है।	2	
		पत्र की भाषा - शैली है।	2	
		अपेक्षा का पालन किया है।	2	8
		प्रसंगानुसार विषयवस्तु का चयन किया है।	2	
		(सूचकों पर ध्यान देना, पत्र की शैली, विधा बदलने पर अंक न देना)		

Qn. No	Sub Qns	Answer Key/Value Points	Score	Total Score
25		विज्ञापन की शैली है।	2	
		आकर्षक एवं रोचक है।	2	
		शैलीगत भाषा अपनाई है।	2	8
		खूबियों के आधार पर विज्ञापन तैयार किया है।	2	
		('तुलसी का साबुन' पर विज्ञापन तैयार किया है।)		
26.		आशय ग्रहण किया है।	2	
		मुख्य आशयों का चयन किया है।	2	
		बिंदुओं को विकसित किया है।	2	8
		लेखन लिखा है।	2	
		(हिन्दी साहित्य का आधुनिक युग खड़ीबोली गद्य के विकास-संस्कार और विविध प्रयोगों का युग है। प्रतिभाओं ने अभिव्यक्ति के लिए नये-नये रूपों और प्रयोगों को जन्म दिया। पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन से इन विधाओं को अधिक बढ़ावा मिला। कहानी, उपन्यास, निबंध, नाटक, एकांकी		

Qn. No	Sub Qns	Answer Key/Value Points	Score	Total Score

जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र आदि विधाओं में उत्कृष्ट रचनायें हुई। इसलिए इस काल को पंडित रामचन्द्रशुक्ल ने 'गद्यकाल' कहा। खड़ीबोली हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए 1805 ई. में फोर्ट विलियम कालेज में भाषा विभाग खोला। लल्लूलाल और सदल मिश्र के नेतृत्व में खड़ीबोली गद्य को शिक्षा का माध्यम बनाने की कोशिश की गई। लल्लूलाल ने 'प्रेमसागर' 'बैताल पच्चीसी', 'सिंहासन बत्तीसी' नामक ग्रन्थों से, सदल मिश्र ने "नासिकेतोपाख्यान' से ~~देश~~ देश अल्लाखाँ 'रानी केतकी की कहानी' से, मुंशी सदा सुखलाल 'सुखसागर' से खड़ीबोली हिन्दी का श्रेय बढ़ाने लगा। ईसाई मिशनरियों ने भी 'बाइबिल' का अनुवाद करके छापा खाना खोलकर अपना

Qn. No	Sub Qns	Answer Key/Value Points	Score	Total Score
27.		महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राजा- राममोहन राय का 'ब्रह्मसमाज' स्वामी दयानंद सरस्वती के 'आर्यसमाज' का भी विशेष योगदान रहा। 'सत्यार्थ प्रकाश' खड़ीबोली गद्य की क्षमता का प्रमाण है। राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिंद', और राजा लक्ष्मण सिंह ने भी खड़ीबोली गद्य के विकास में अपना विशिष्ट योगदान किया है। स्वतंत्रता आन्दोलन की मुख्य भाषा का गौरव खड़ीबोली हिंदी को ही मिला था। साहित्यिक - सामाजिक पत्र - पत्रिकाओं के माध्यम से हिंदी गद्य के स्वरूप को निखारने और नव - जागरण की चेतना को साधारण जनता तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हुआ। आशय ग्रहण किया है। 2 मुख्य आशयों का चयन किया है। 2		

Qn. No	Sub Qns	Answer Key/Value Points	Score	Total Score
		बिंदुओं को विकसित किया है।	2	8
		नाटक के बारे में लेख तैयार किया है।	2	
		(नाटक साहित्य, परिभाषा हिन्दी में नाटक साहित्य — भारतेंदु युग, भारतेंदुपूर्व युग, द्विवेदी युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर नाटक, नुक्कड़ नाटक)		